I.C.S.E

कक्षा : 10

हिंदी – 2012

समय: 3 घंटे **पूर्णांक : 80**

Answers to this Paper must be written on the paper provided separately.

You will not be allowed to write during the first 15 minutes.

This time is to be spent in reading the question paper.

The time given at the head of this Paper is the time allowed for writing the answers

*This Paper comprises of two sections ; **Section A** and **Section B.***

*Attempt **All** the questions from **Section A.***

*Attempt any **four** questions from **Section B**, answering at least **one** question each from the **two** books you have studied and any **two** other questions.*

The intended marks for questions or parts of questions are given in brackets [ ].

SECTION – A (40 Marks)

Attempt all questions

Q.1 Write a short composition in Hindi of approximately 250 words on any one of the following topics : [15]

निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर हिंदी में लगभग 250 शब्दों में संक्षिप्त लेख लिखिए:

1. ज्ञान प्राप्त करने के बहुत-से साधन हैं। यात्रा पर जाना भी किसी पाठशाला में जाकर शिक्षा प्राप्त करने से कम नहीं है। ऐसी किसी यात्रा का वर्णन कीजिए। बताइए कि उस यात्रा से आपने क्या-क्या सीखा?

2. कल्पना कीजिए कि आपको किसी प्रसिदध व्यक्ति का साक्षात्कार (Interview) लेने की जिम्मेदारी सौंपी गई है। बताइए कि वे प्रसिदध व्यक्ति कौन हैं और उनसे कौन-कौन से तीन प्रश्न पूछेंगे व क्यों?
3. 'ऊँचे लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए माता-पिता तथा अध्यापकों दवारा बच्चों पर डाला जाने वाला दबाव अनुचित है।'- विषय के पक्ष या विपक्ष में अपने विचार दीजिए।
4. एक मौलिक कहानी लिखिए, जिसका आधार निम्नलिखित उक्ति हो: जान बची तो लाखों पायें ।
5. नीचे दिए गए चित्र को ध्यान से देखिए और चित्र को आधार बनाकर वर्णन कीजिए अथवा कहानी लिखिए, जिसका सीधा व स्पष्ट संबंध चित्र से होना चाहिए।

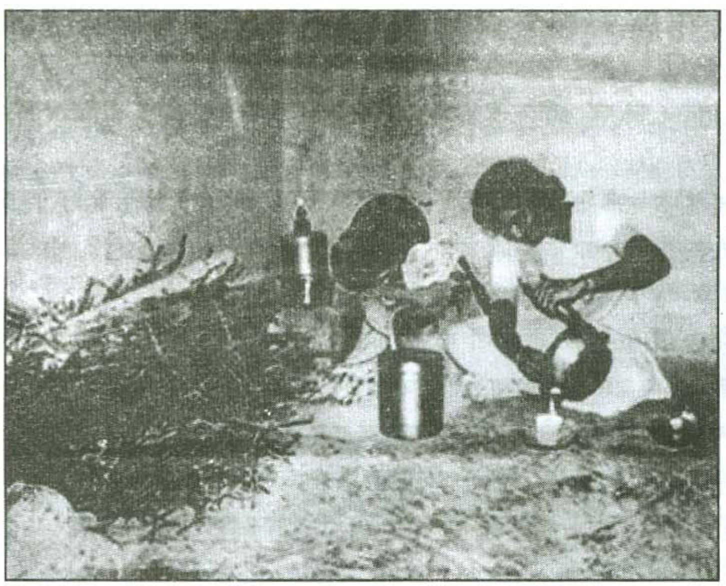

Q.2 Write a letter in Hindi in approximately 120 Words on any one of the topics given below: [7]

निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर हिंदी में लगभग 120 शब्दों में पत्र लिखिए :

1. छात्रावास में रहने वाली अपनी छोटी बहन को फैशन की ओर अधिक रुझान न रख, ध्यानपूर्वक पढाई करने की सीख देते हुए पत्र लिखिए।
2. आपके नगर में एक 'विज्ञान-कार्यशाला' का आयोजन किया जा रहा है। इस कार्यशाला के संयोजक को पत्र लिखकर बताइए कि आप भी इसमें सम्मिलित होना चाहते हैं।

Q.3 Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow: [10]

निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए तथा उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिंदी में लिखिए:

एक चोर किसी मंदिर का घंटा चुराकर ले गया था। वन में जाते हुए उसका सामना बाघ से हो गया और चोर बाघ के द्वारा मारा गया। उसी वन में वह घंटा बंदरों के हाथ में पड़ गया। वन बहुत घना था। बंदर झाडियों के अंदर रहते थे। जब उनकी मौज होती, वे घंटा बजाते।

घंटे की आवाज सुनकर समीप के नगर में यह अफवाह फैल गयी के जंगल में भूत रहता है और उसका नाम घंटाकरण है। उसके कान घंटे के समान हैं, जब वह हिलता है, तो कानों से घंटे की आवाज आती है। इस अफवाह से लोग ऐसे भयभीत हुए कि जंगल की ओर भूलकर भी कोई न जाता था। सब जंगल से दूर-दूर ही रहते थे। जंगल से लकड़हारे लकडियाँ न

लाते थे, चरवाहे जंगल में पशुओं को चराने न ले जाते थे। किसी में इतना हौसला न था कि जंगल में जाने का प्रयत्न कर पाता।

इस प्रकार सारे का सारा जंगल किसी भी काम में न आकर कल्पित घंटाकरण भूत की राजधानी बन गया। अब तो राजा को भी बडी चिंता हुई। उसने सयानों और जादूगरों को इकट्ठा किया और कहा कि भाई इस भूत को जंगल से निकालो, वरना सारा जंगल और हजारों रुपये की सालाना आमदनी बेकार हाथ से जा रही है।

सब लोगों ने अपने-अपने उपाय करने प्रारंभ किए। पंडितों ने चंडी का जाप किया, हनुमान चालीसा का पाठ किया। मुल्लाओं ने कुरान का पाठ आरंभ किया। किसी ने भैरों को याद किया, किसी ने काली माता की मन्नत की, किसी ने पीर-पैगंबर को मनाया, किसी ने जादू-टोना किया । इस पर भी घंटाकरण किसी के काबू में न आया। घंटे का शब्द सदा की भाँति सुनाई देता रहा और लोग समझते रहे घंटाकरण घंटा बजा रहा है।

तभी एक चतुर मनुष्य उधर कहीं से आ निकला। वह भूत-प्रेत, चंडी-मुंडी, पीर-पैगंबर, जादू-टोने आदि कपोल-कल्पित मिथ्या बातों पर विश्वास नहीं करता था। उसने विचारा कि वन में हो न हो कोई विशेष बात होगी। संभव है कि वन में डाकू रहते होंगे और उन्होंने वन को अपने रहने के लिए सुरक्षित बनाने को यह पाखंड रचा हो या कहीं बंदरों के हाथ में घंटा न पड गया हो। ऐसा दृढ़ निश्चय कर वह चतुर मनुष्य साधु का वेश धर कर जंगल में घुसा । अंदर जाकर देखा, तो उसने अपने अनुमान को सही पाया। लौटकर उसने नगर निवासियों से कहा, “भाइयो! मैंने भूत को पकड़ने का उपाय विचार लिया है। आप लोग मुझे एक गाडी भुने चने दें, तो मैं कल ही भूत को पकड़ लेता हूँ।”

नगर के निवासी और राजा भूत के नाश के लिए सब कुछ करने को तैयार थे, झटपट सब सामान इकटठा कर दिया। चतुर मनुष्य ने जंगल में

जाकर चने बंदरों के आगे डाल दिए। इधर सब बंदर चने खाने में लगे, उधर उसने घंटा उठा कर नगर की राह ली । अब क्या था, सारे नगर में और राजसभा में उस चतुर मनुष्य को बडा आदर मिला, फिर उसने सब भेद खोलकर लोगों के मिथ्या विश्वास को तोडा़। उन्हें भ्रम के भूत से मुक्ति दिलाई।

इस कहानी के समान अनेक बातों के भ्रम मे पड़कर मनुष्य ने भूत-प्रेत, जादू-टोना आदि अनेक प्रकार की कल्पनाएँ कर ली हैं। लोग भय और मिथ्या विश्वास के कारण वास्तविकता का पता नहीं लगाते हैं और झूठे उपाय कर-करके थकते हैं। वास्तव में भूत-प्रेत आदि यह सब ठग-लीला है। जादू-टोने सब लूटने-खने के बहाने हैं। इनसे सदा बचने में ही मानव की भलाई है।

मिथ्या विश्वास से ही मनुष्य तरह-तरह के कष्टों में पड़ जाता है। अत: यथासंभव मिथ्या विश्वास दूर करने का प्रयत्न करना चाहिए।

1. नगर में क्या अफवाह फैल गई थी और इस अफवाह का क्या कारण था? [2]

   उत्तर :

   ____

   ____

   ____

2. जंगल किसकी राजधानी बन गया था? इससे नगर निवासियों पर क्या प्रभाव पडा? [2]

   उत्तर :

   ____

3. राजा की चिंता का क्या कारण था? भूत को जंगल से निकालने के क्या-क्या उपाय किए गए? [2]

उत्तर :

4. चतुर मनुष्य का क्या अनुमान था? उसने नगर निवासियों को भूत से किस प्रकार मुक्ति दिलाई? [2]

उत्तर :

5. प्रस्तुत गद्यांश से आपको क्या शिक्षा मिली? [2]

उत्तर :

Q.4

Answer the following according to the instructions given:

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर निर्देशानुसार लिखिए: [8]

1. निम्नलिखित शब्दों से विशेषण बनाइए: [1]
   - अनुभव -
   - पूजा -

2. निम्नलिखित शब्दों में से किसी दो शब्दों के पर्यायवाची शब्द लिखिए: [1]
   - पुत्री -
   - घमंड -

3. निम्नलिखित शब्दों में से किन्हीं दो शब्दों के विपरीतार्थक शब्द लिखिए: [1]
   - अपमान -
   - अमावस्या -
   - उत्थान -
   - निंदा -

4. निम्नलिखित मुहावरों में से किसी एक की सहायता से वाक्य बनाइए: [1]
   - मुँह में पानी भर आना -
   - टाँग अड़ाना -

   भाववाचक संज्ञा बनाइए । [1]
   - सेवक -
   - बच्चा -

5. कोष्ठक में दिए गए निर्देशानुसार वाक्यों में परिवर्तन कीजिए:

(a) वह दुश्मन की सेना पर टूट पड़ा । [1]

('टूट पड़ा' के स्थान पर हमला किया का प्रयोग कीजिए।)

उत्तर :

(b) विद्यार्थी पुस्तक पढ़ रहा है। [1]

(बहुवचन में बदलिए)

उत्तर :

(c) अन्ना हज़ारे ने सरकार का लोकपाल बिल मानने से इंकार कर दिया। [1]

(रेखांकित शब्द का विपरीतार्थक शब्द लिखिए। ध्यान रहे वाक्य का अर्थ न बदले।)

उत्तर :

SECTION - B (40 Marks)

Attempt four questions from this section.

You must answer at least one question from each of two books you have studied and any two other questions.

गद्य संकलन

Q.5 Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow:

निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए तथा उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिंदी में लिखिए:

"जिस दिन तुम्हें यह पत्र मिलेगा उसके ठीक सवेरे मैं, बाल अरुण के किरण रथ पर चढ़कर, उस ओर चला जाऊँगा। मैं चाहता तो अंत समय तुमसे मिल सकता था , मगर इससे क्या फायदा ? मुझे विश्वास है, तुम मेरी जन्म-

जन्मांतर की जननी हो, रहोगी! मैं तुमसे दूर कहाँ जा सकता हूँ? माँ, जब तक पवन साँस लेता है, सूर्य चमकता है, समुद्र लहराता है, तब तक कौन मुझे तुम्हारी करुणामयी गोद से दूर खींच सकता है।

'उसकी माँ'

लेखक - पांडेय बेचन शर्मा 'उग्र'

1. यह पत्र किसने, किस अवसर पर लिखा था ? [2]

उत्तर :

____

____

____

2. "मैं, बाल अरुण के किरण रथ पर चढ़कर, उस ओर चला जाऊँगा।" - प्रस्तुत पंक्ति की व्याख्या कीजिए। बताइए कि वह ऐसा क्यों कह रहा है? [2]

उत्तर :

____

____

____

3. पत्र में लिखे गए शब्दों का वहाँ उपस्थित लोगों पर क्या प्रभाव पड़ा? [3]

उत्तर :

____

____

____

____

4. प्रस्तुत पाठ के नायक के जीवन-चरित से आपने क्या प्रेरणा प्राप्त की है ? क्या आज हमारे देश को ऐसे व्यक्तियों की आवश्यकता है? तर्क सहित उत्तर दीजिए। [3]

उत्तर :

____

____

____

____

Q.6 Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow:

निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए तथा उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिंदी में लिखिए:

एक भेड़ चराने वाली और सतोगुण में डूबी हुई युवती कन्या के दिल में जोश आते ही कुल फ्रांस एक भारी शिकस्त से बच गया । अपने आपको हर घड़ी और हर पल महान बनाने का नाम वीरता है। वीरता के कारनामे तो एक गौण बात है। असल वीर तो इन कारनामों को अपनी दिनचर्या में लिखते भी नहीं। दरख्त तो जमीन से रस ग्रहण करने में लगा रहता है।

'सच्ची वीरता'

लेखक - सरदार पूर्णसिंह

1. सच्चे वीरों और दरख्त में क्या समानता होती है? [2]

उत्तर :

____

____

____

2. सतोगुण से आप क्या समझते हैं? इस गुण से युक्त व्यक्तियों की क्या विशेषता होती है? [2]

उत्तर :

---

3. भेड़ चराने वाली युवती कौन थी ? उसने वीरता का क्या कार्य किया था? [3]

उत्तर :

---

4. प्रस्तुत पाठ का उददेश्य स्पष्ट कीजिए। [3]

उत्तर :

Q 7 Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow:
निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए तथा उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिंदी में लिखिए:

"सबको देंगे भैया! लेकिन जरा रुको, ठहरो, एक-एक को देने दो। अभी इतनी जल्दी हम कहीं लौट थोड़े ही जाएँगे। बेचने तो आए ही हैं, और हैं भी इस समय मेरे पास एक-दो नहीं, पूरी सत्तावन।... हाँ, बाबूजी, क्या पूछा था आपने क्तिने में दीं!... दी तो वैसे तीन-तीन पैसे के हिसाब से है, पर आपको दो-दो पैसे में ही दे दूँगा।"

'मिठाईवाला'

लेखक - भगवती प्रसाद वाजपेयी

1. यहाँ कौन-सी वस्तु बेची जा रही है? इस समय बेचने वाले के मनोभाव कैसे हैं? [2]

   उत्तर :

   ___

   ___

   ___

2. दाम सुनकर बाबूजी ने क्या सोचा और क्या कहा ? [2]

   उत्तर :

   ___

   ___

   ___

   ___

3. बाबूजी का परिचय दीजिए। बताइए कि उनका कथन ,किन लोगों के,किस व्यवहार की ओर संकेत कर रहा है ? [3]

उत्तर :

4. ' व्यक्ति विधाता की लीला के समक्ष विवश होता है, तथापि दुख की घड़ी में विलाप करने के स्थान पर अन्य माध्यमों से स्वयं को खुश करने के प्रयत्न का नाम ही सच्ची मनुष्यता है।' - मुरली वाले के चरित्र को ध्यान में रखकर इन पंक्तियों पर अपने विचार स्पष्ट कीजिए। [3]

उत्तर :

चन्द्रगुप्त विक्रमादित्य

लेखक -प्रकाश नगायच

Q.8 Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow:

निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए तथा उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिंदी में लिखिए:

"जो आज्ञा , देव !" कहकर वीरसेन ने सम्राट को प्रणाम किया और कक्ष से निकलकर सैनिक शिविर की ओर चल पड़ा।

थोड़ी देर बाद ही पाटलिपुत्र का दुर्ग और नगर रणवादयों से गूँज उठा । गंगा और सोन नदियों की शांत लहरों में ज्वार आ गया।

1. क्तिने वर्षो के संघर्ष के बाद चंद्रगुप्त को मगध का राज्य प्राप्त हुआ था ? वह किस उपाधि को धारण कर गुप्त साम्राज्य के राजसिंहासन पर बैठा था ? [2]

   उत्तर :

   ____

   ____

   ____

2. चंद्रगुप्त के राजसिंहासन पर बैठने की प्रजा पर क्या प्रतिक्रिया हुई थी व क्यों ? [2]

   उत्तर :

   ____

   ____

   ____

3. भारतवर्ष की तत्कालीन राजनैतिक परिस्थितियाँ कैसी थी ? सम्राट ने वीरसेन को क्या आज्ञा दी थी और क्यों ? [3]

उत्तर :

____

____

____

____

4. जननी, जन्मभूमि के प्रति मनुष्य का क्या कर्तव्य होता है ? प्रस्तुत संदर्भ को ध्यान में रखकर एक अनुच्छेद में उत्तर लिखिए। [3]

उत्तर :

____

____

____

____

Q.9 Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow:

निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए तथा उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिंदी में लिखिए:

“हमने वचन दिया था..........? कब...........? हमें तो याद नहीं। रामगुप्त ने लापरवाही से कहा- पुरोहित जी जो मंत्र पढ़ते गए, हम तो उन्हीं को दोहरा रहे थे। पता नहीं उन मंत्रों का अर्थ क्या था ?”

1. रामगुप्त का परिचय दीजिए और बताइए कि उसे कौन-से वचन याद नहीं हैं ? [2]

उत्तर :

2. रामगुप्त के इस कथन का किसने, क्या उत्तर दिया ? [2]

उत्तर :

3. रामगुप्त और चंद्रगुप्त के चरित्र में क्या- क्या भिन्नताएँ थी ? [3]

उत्तर :

4. 'कुल की रक्षा के लिए व्यक्ति का, नगर की रक्षा के लिए कुल का और राष्ट्र की रक्षा के लिए नगर का त्याग कर देना चाहिए ।' आप इस विचार से कहाँ तक सहेमत हैं? तर्कसहित उत्तर दीजिए। [3]

उत्तर :

Q. 10 Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow:

निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए तथा उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिंदी में लिखिए:

रुद्रसिंह सम्राट चंद्रगुप्त के इन शब्दों का मर्म न समझ पाए और प्रसन्न होकर बोले - "मगध सम्राट की इस उदारता और महानता ने शत्रु होते हुए भी मगध-सम्राट की प्रशंसा करने पर विवश कर दिया है । नीतिकारों ने ठीक ही कहा है बुदधिमान शत्रु भी सौभाग्य से ही मिलते हैं ।"

1. रुद्रसिंह कौन थे ? वे चंद्रगुप्त के किन शब्दों का मर्म नहीं समझ सके ? [2]

   उत्तर :

2. सम्राट चंद्रगुप्त के इन शब्दों के पीछे क्या गहरा रहस्य छिपा था? [2]

   उत्तर :

3. इस युदध में रुद्रसिंह की हार का प्रमुख कारण आप किसे समझते हैं और क्यों ? [3]

उत्तर :

____

____

____

____

4. यहाँ बुद्धिमान शत्रु कहकर कौन, किसे संबोधित कर रहा है और क्यों ? [3]

उत्तर :

____

____

____

____

एकांकी सुमन

Q.11 Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow:

निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए तथा उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिंदी में लिखिए:

''क्या कहता है, रोशन ?''

''वह तो बात भी नहीं सुनता, जाने बच्चे की तबीयत बहुत खराब है।''

''एक दिन में ही इतनी क्या खराब हो गयी ! मैं जानता हूँ यह सब बहानेबाज़ी है।''

'लक्ष्मी का स्वागत'

लेखक- उपेन्द्रनाथ 'अश्क'

1. यह वार्ता किन- किन व्यक्तियों के बीच को रही है ? वार्ता का संदर्भ स्पष्ट कीजिए । [2]

उत्तर :

2. यहाँ किस बात को बहानेबाज़ी कहा गया है और क्यों ? [2]

उत्तर :

3. बहानेबाज़ी का आरोप लगाने के पश्चात उस व्यक्ति ने क्या किया ? उसके चारित्रिक दोषों का वर्णन करते हुए बताइए कि ऐसे व्यक्ति समाज के लिए कलंक क्यों हैं ? [3]

उत्तर :

4. प्रस्तुत एकांकी के शीर्षक की सार्थकता सिद्ध कीजिए । [3]

उत्तर :

Q.12 Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow:

निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए तथा उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिंदी में लिखिए:

'' हाँ, वह बात तो पूरी ही नहीं की तुमसे, भीमा ! शिवाधाट से फिरंगियों को टलाया कैसे ?''

राजा कुँवरसिंह की बुदधि की क्या तारीफ़ करूँ सरदार, कटार की धार-सी पैनी है। हरकिशुन को साधु बनाकर भेजा, जानते हो किसलिए ?

'विजय की बेला'

लेखक - जगदीशचंद्र माथुर

1. प्रस्तुत पंक्तियों का संदर्भ स्पष्ट कीजिए। [2]

   उत्तर :

2. हरकशुन को कहाँ, किस उद्देश्य से भेजा गया था ? [2]

   उत्तर :

3. राजा कुँवर सिंह कौन थे ? उनका संक्षिप्त परिचय दीजिए । [3]

उत्तर :

4. 'राष्ट्र विरोधी ताकतों का डटकर विरोध करना ही सच्ची देशभक्ति है।'- एकांकी के आधार पर इस पंक्ति की समीक्षा कीजिए। [3]

उत्तर :

Q.13 Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow :

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिंदी में लिखिए :

"दूसरे लोग पाँच-छः महीने पहले से सारा सामान जुटा लेते हैं और यहाँ रह गए हैं गिनती के बीस दिन! तुमने तो अपनी घोलकर पी ली है। जाओ, अभी जाओ और शहर जाकर उससे रूपये लेकर आओ, नहीं तो मैं सिर पटक-पटक कर जान दे दूँगी।"

'मेल-मिलाप'

लेखक- देवराज 'दिनेश'

1. वक्ता कौन है ? वह किस कार्य के लिए बीस दिन बचे होने की बात कह रही है? [2]

उत्तर :

2. श्रोता का चरित्र-चित्रण कीजिए । [2]

उत्तर :

3. वक्ता को किस पर, क्या संदेश है? इस समय उसकी मन:स्थिति कैसी है ? [3]

उत्तर :

4. 'स्वस्थ समाज के लिए आपसी मेल-मिलाप के साथ-साथ पुरानी शत्रुता को भुलाना भी आवश्यक होता है।'-इस कथन की व्याख्या एकांकी के संदर्भ में कीजिए। [3]

उत्तर :

Q.14 Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow :

निम्नलिखित पद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिंदी में लिखिए :

बाधा के रोड़ों से लड़ता, वन के पेड़ों से टकराता,
बढ़ता चट्टानों पर चढ़ता, चलता यौवन से मदमाता।
लहरें उठती हैं, गिरती हैं; नाविक तट पर पछताता है।
तब यौवन बढ़ता है आगे, निर्झर बढ़ता ही जाता है।

'जीवन का झरना'

कवि- आरसी प्रसाद सिंह

1. निर्झर के मार्ग में कौन-कौन-सी बाधाएँ आती हैं ? वह उनका किस प्रकार सामना करता है? [2]

   उत्तर :

2. नाविक कब पछताता है और क्यों? [2]

   उत्तर :

3. झरने को किस बात की लगन है? कवि ने निर्झर और नाविक में क्या अंतर बताया है? [3]

उत्तर :

____

____

____

____

4. 'मानव जीवन की सार्थकता ढरने के समान गतिशील बने रहने में और बाधाओं का डटकर मुकाबला करने में ही होती है।' प्रस्तुत पंक्ति के आधार पर एक अनुच्छेद में अपने विचार दीजिए । [3]

उत्तर :

____

____

____

____

Q.15 Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow :

निम्नलिखित पद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिंदी में लिखिए :

तजौ मन, हरि बिमुखनि कौ संग।
जिनकै संग कुमति उपजति है, परत भजन में भंग।
कहा होत पय पान कराएं, बिस नही तजत भुजंग।
कागहिं कहा कपूर चुगाएं, स्वान न्हवाएं गंग।
खर कौ कहा अरगजा-लेपन, मरकट भूसण अंग।
गज कौं कहा सरित अन्हवाएं, बहुरि धरै वह ढंग।
पाहन पतित बान नहिं बेधत, रीतौ करत निषंग।
सूरदास कारी कमरि पै, चढत न दूजौ रंग।

1. किस प्रकार के व्यक्तियों का साथ छोड देना चाहिए और क्यों? [2]
   उत्तर :

   ____

   ____

   ____

2. 'पाहन-पतित बान नहिं बेधत, रीतौ करत निषंग' -पंक्ति का भाव स्पष्ट कीजिए और बताइए कि ऐसा कवि ने क्यों कहा है? [2]
   उत्तर :

   ____

   ____

   ____

3. कवि ने किन-किन उदाहरणों दवारा, किस प्रकार यह स्पष्ट किया है कि प्रभु से विमुख लोगों का स्वभाव नहीं बदला जा सकता? [3]

उत्तर :

____

____

____

____

4. निम्न शब्दों के अर्थ लिखिए :

अरगजा, रीतौ, निषंग, कमरि, खर, स्वान।

शब्द	अर्थ
• अरगजा	
• रीतौ	
• निषंग	
• कामरि	
• खर	
• स्वान	

Q.16 Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow :

निम्नलिखित पद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिंदी में लिखिए :

चिलचिलाती धूप को जो चांदनी देवें बना ।
काम पड़ने पर करे जो शेर का भी सामना ।।
जो कि हँस-हँस के चबा लेते हैं लोहे का चना ।
'है कठिन कुछ भी नहीं' जिनके है जी में यह ठना ।।
कोस क्तिने ही चलें, पर वे कभी थकते नहीं।
कौनसी है गाँठ जिसको खोल सकते नहीं।।

'कर्मवीर'
कवि - अयोध्यासिंह उपाध्याय 'हरिऔध'

1. चिलचिलाती धूप को चाँदनी बना देने का क्या तात्पर्य है? किस प्रकार के व्यक्ति यह कर सकते में समर्थ होते हैं? [2]
   उत्तर :

2. 'लोहे क चने चबाना' और 'गाँठ खोलना' मुहावरों के अर्थ कविता के संदर्भ में बताइए। [2]
   उत्तर :

3. कविता के आधर पर बताइए कि कर्मवीरों की क्या विशेषताएँ होती हैं? [3]

उत्तर :

4. प्रस्तुत कविता किस सिद्धांत पर आधारित है? आपको इस कविता से क्या प्रेरणा मिली, समझाकर लिखिए। [3]

उत्तर :